6 से 8 फरवरी तक की पाकिस्तान यात्रा मूल रूप से एक सद्भावना यात्रा थी, जिसमें विचार-विमर्श के लिए विशेष मुद्दे तय नहीं किये गए थे। लेकिन इस यात्रा के बाद अब पाकिस्तान सरकार के वैदेशिक मामलों के सलाहकार अप्रैल में नई दिल्ली आने वाले हैं जब कि सलाल बांध परियोजना पर विचार-विमर्श पुन प्रारम्भ किया जाएगा और आशा है कि उस समय आपसी हित के अन्य मामलो पर भी विचार विनिमय किया जाएगा।

विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा के दौरान इस बात पर भी सहमति हुई कि 1975 के व्यापार समझौते की समीक्षा करने के लिए कदम उठाए जाए। बैठक के स्थान और तारीख का ब्यौरा तैयार किया जा रहा है।

कमजोर वर्ग के व्यक्तियो को बेकारी भत्ता

3165 **श्री राम किशन** : क्या **संसदीय कार्य तथा श्रम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या रोजगार दफ्तरो मे पजीकृत व्यक्तियो मे से आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों के व्यक्तियों को बेकारी भत्ता देने का कोई प्रस्ताव है, और

(ख) यदि हा, तो इस प्रस्ताव पर कब से अमल किया जाएगा ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : (क) रोजगार कार्यालयों मे पजीकृत व्यक्तियों में से आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों के व्यक्तियों को बेरोजगारी भत्ता देने का कोई प्रस्ताव नही है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

बेरोजगार मेट्रीक्युलेट, स्नातक, इंजीनियर तथा डाक्टर आदि

3166. **डा० रामजी सिंह** : क्या **संसदीय कार्य तथा श्रम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय रोजगार कार्यालयों मे दर्ज बेरोजगार मेट्रीक्युलेट, इंटरमीडिएट, स्नातक, एम० ए०, एम० एस० सी०, एम० कॉम, इंजीनियर, डाक्टर तथा कृषि स्नातको की अलग अलग कुल सख्या कितनी है और उनकी सख्या मे कितनी वार्षिक वृद्धि होती है,

(ख) उन व्यक्तियो की वार्षिक औसत सख्या क्या है जिन्हे सरकार द्वारा रोजगार प्रदान किया जाता है, और

(ग) उन शिक्षित तथा अशिक्षित व्यक्तियो की कुल सख्या क्या है जिन्हें चालू वित्तीय वर्ष के दौरान रोजगार दिए जाने का प्रस्ताव है ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) (क) और (ख). उपलब्ध सूचना सलगन विवरण मे दी गई है।

(ग) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान, कितने शिक्षित तथा अशिक्षित व्यक्तियो को रोजगार प्रदान किए जाने की संभावना है यह बात इस अवधि के दौरान सर्जित किए गए रोजगार अवसरों तथा रोजगार कार्यालयों को सूचित की गई रिक्तियो पर निर्भर करेगी। अगली योजना मे, जिस मे उच्च रोजगार तत्व शामिल होगा, शिक्षित तथा अशिक्षित व्यक्तियों के लिए पर्याप्त रोजगार अवसर सर्जित किए जाने की सभावना है।